http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 43

प्रयागराज सोमवार 28 अक्टूबर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

सीजेआई बोले- सरकार के प्रमुख से मिलना डील होना नहीं

● वे न्यायपालिका के लिए बजट देते हैं, अगर लेटर पर निर्भर रहेंगे तो काम नहीं होगा

CM और चीफ जस्टिस त्योहारों या शोक में एक-दूसरे से मिलते हैं। यह एक परंपरा है। इसका हमारे काम पर कोई असर नहीं पड़ता।

CJI डीवाई चंद्रचूड़

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि सरकार के प्रमुख जब हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस से मिलते हैं तो इन मुलाकातों में राजनीतिक परिपक्वता होती है। मुंबई के एक कार्यक्रम सीजेआई ने कहा- हम राज्य या केंद्र सरकार के मुखिया से मिलते हैं तो इसका अर्थ यह नहीं है कि कोई डील हो गई। चीफ जस्टिस ने ये भी कहा कि हमें राज्य के सीएम के साथ बातचीत करनी होती है, क्योंकि वे न्यायपालिका के लिए बजट देते हैं। यदि मुलाकात न करके केवल लेटर्स पर निर्भर रहें तो काम नहीं होगा। ये मीटिंग पॉलिटिकल मैच्योरिटी का एक साइन है। मेरे करियर में ऐसा कभी नहीं हुआ कि किसी डीएम ने कभी भी मुलाकात के दौरान किसी लंबित केस के बारे में कुछ कहा हो। सीजेआई ने कहा- कोर्ट और सरकार के बीच का एडमिनिस्ट्रेटिव रिलेशन, ज्यूडिशियरी के काम से अलग है। डीएम या चीफ जस्टिस त्योहारों या शोक में एक-दूसरे से मिलते हैं। यह हमारे काम पर कोई असर नहीं डालता। कॉलेजियम सिस्टम एक यूनियन सिस्टम है, जहां जिम्मेदारियां अलग-अलग लेवल पर केंद्र सरकार, राज्य सरकार और ज्यूडिशियरी में बंटी हैं। इसमें आम सहमति बनती है, लेकिन कभी-कभी ऐसा भी होता है जब सहमति नहीं बन पाती। ऐसे में ज्यूडिशियरी के अलग अलग लेवल पर और सरकारों के अलग-अलग लेवल पर मैच्योरिटी के साथ निपटाया जाता है।

'देश में रचनात्मक ऊर्जा की लहर'

मन की बात में पीएम मोदी ने कहा- एनिमेशन की दुनिया में 'मेड इन इंडिया' छाया हुआ है

● आत्मनिर्भरता हमारी नीति ही नहीं, हमारा जुनून भी, मन की बात में बोले पीएम मोदी

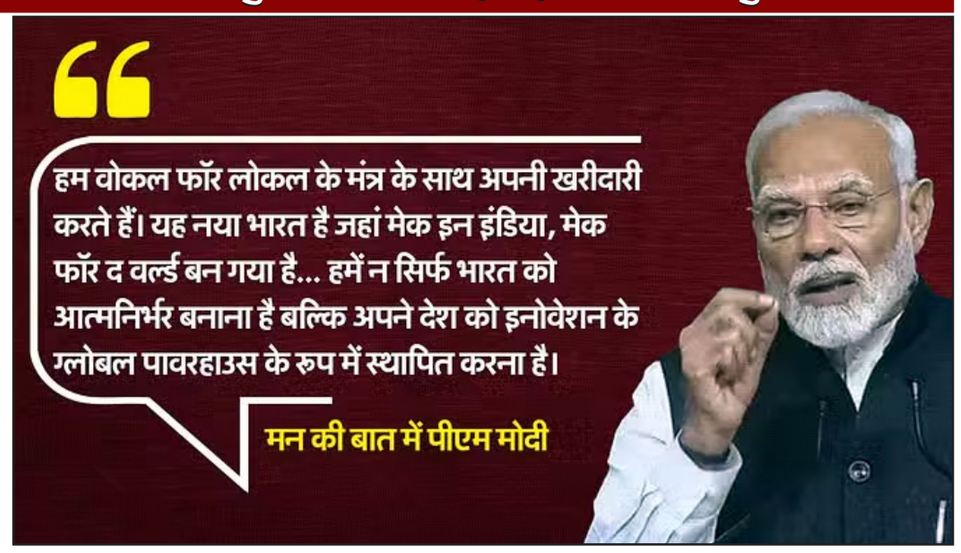

नई दिल्ली,(एजेंसी)। इस कार्यक्रम की शुरुआत तीन अक्तूबर 2014 को हुई थी। इसे 22 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों के अलावा 11 विदेशी भाषाओं में भी प्रसारित किया जाता है, जिसमें फ्रेंच, चीनी, इंडोनेशियाई, तिब्बती, बर्मी, बलूची, अरबी, पश्तू, फारसी, दारी और स्वाहिली शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिए लोगों को संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने आत्मनिर्भर भारत पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने सरदार पटेल और भगवान बिरसा मुंडा को भी याद किया। उन्होंने कहा कि इन दोनों महापुरुषों के सामने अलग-अलग चुनौतियां थीं लेकिन उनका विजन एक ही था, श्देश की एकताश। इसके अलावा उन्होंने श्मन की बातश कार्यक्रम में एनिमेशन के क्षेत्र भारत के विकास पर भी चर्चा की। सरदार पटेल और भगवान बिरसा मुंडा को किया याद श्मन की बातश के 115वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत ने हर युग में कुछ चुनौतियों का सामना किया है। आज मन की बात में मैं दो ऐसे महानायकों की चर्चा करूंगा जिनमें साहस और दूरदर्शिता थी। देश ने उनकी 150वीं जयंती मनाने का फैसला किया है। 31 अक्टूबर से सरदार पटेल की 150वीं जयंती वर्ष की शुरुआत होगी। इसके बाद 15 नवंबर से भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष की शुरुआत होगी। इन दोनों महापुरुषों के सामने अलग-अलग चुनौतियां थीं लेकिन उनका विजन एक ही था, श्देश की एकताश। आत्मनिर्भरता हमारी नीति ही नहीं, हमारा जुनून भी उन्होंने आगे कहा कि आत्मनिर्भरता हमारी नीति ही नहीं, हमारा जुनून बन गया है। बहुत साल नहीं हुए, सिर्फ 10 साल पहले की बात है, तब अगर कोई कहता था कि भारत में कोई जटिल तकनीक विकसित की जा रही है तो कई लोगों को विश्वास नहीं होता था, तो कई उपहास उड़ते थे। लेकिन आज वही लोग, देश की सफलता को देखकर अचंभे में रहते हैं। आत्मनिर्भर हो रहा भारत हर क्षेत्र में कमाल कर रहा है। आत्मनिर्भर भारत अभियान एक जन-आंदोलन बन रहा मन की बातश के 115वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब आत्मनिर्भर भारत अभियान एक जन-आंदोलन बनता जा रहा है।

सीमा पार घुसपैठ रुकने पर ही बंगाल में शांति स्थापित की जा सकती है: शाह

पेट्रापोल (पश्चिम बंगाल),(एजेंसी) केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि बांग्लादेश से सीमा पार घुसपैठ बंद होने पर ही पश्चिम बंगाल में शांति स्थापित की जा सकती है। शाह ने दावा किया कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 2026 में पश्चिम बंगाल में सत्ता में आयी तो पड़ोसी देश से अवैध आव्रजन रोका जाएगा। पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर पेट्रापोल भू पत्तन पर एक नए यात्री टर्मिनल भवन और एक 'मैत्री द्वार' के

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार की आलोचना की और राज्य के लोगों से 2026 में राजनीतिक बदलाव लाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, ''क्षेत्र में शांति स्थापित करने में भू पत्तन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब सीमा पार लोगों की वैध आवाजाही की कोई गुंजाइश नहीं होती है, तो आवाजाही के अवैध तरीके सामने आते हैं, जिसका असर देश की शांति पर पड़ता है। मैं बंगाल के लोगों से आग्रह करता हूं कि 2026 में परिवर्तन लाएं और हम घुसपैठ रोकेंगे तथा शांति स्थापित करेंगे।'' शाह ने कहा, ''घुसपैठ रुकने पर ही बंगाल में शांति आ सकती है...दोनों देशों के बीच संबंध तथा संपर्क सुधारने में भूमि बंदरगाह महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे दोनों देशों के बीच व्यापार संबंध भी बढ़ाते हैं।

जनता दर्शन: सीएम योगी ने दिया निर्देश, जन कल्याण के कामों को पहले प्राथमिकता दें

● 300 लोगों की सुनी फरियाद, अधिकारियों को निर्देशित किया है कि हर पात्र व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें

गोरखपुर,(एजेंसी)। जनता दर्शनः मुख्यमंत्री योगी ने रविवार को गोरखनाथ मंदिर में करीब 300 लोगों की समस्याएं सुनीं। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। इस दौरान एक महिला ने आवास की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला की समस्या को संवेदनशीलता से देखें। पात्रता के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि हर पात्र व्यक्ति को शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। कहा, जिनके पास आवास नहीं है, उन्हें पीएम-सीएम योजना के तहत पक्का आवास दिलाएं। और जो किसी सामाजिक पेंशन योजना के दायरे में आने की अर्हता रखते हैं, उन्हें इसका लाभ दिलाया जाए। सीएम योगी ने उक्त निर्देश रविवार को गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए दिए। मंदिर परिसर स्थित महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सामने आयोजित जनता दर्शन में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक सीएम खुद पहुंचे और एक एक करके सबकी समस्याओं को सुनते हुए आश्वस्त किया हर समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी व संतुष्टिपरक निस्तारण किया जाएगा। इसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रही। इस दौरान एक महिला ने आवास की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने तुरंत अधिकारियों को निर्देशित किया कि महिला की समस्या को संवेदनशीलता से देखें। पात्रता के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास उपलब्ध कराया जाए। जमीन कब्जा करने की शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। राजस्व व पुलिस से संबंधित मामलों में प्रभावी कार्रवाई हो। उन्होंने कहा कि अधिकारी जन कल्याण के कार्यों को सदैव प्राथमिकता पर रखें और हर पीड़ित की समस्या का त्वरित निस्तारण करना सुनिश्चित करें। इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को सीएम योगी ने भरोसा दिलाया कि पैसे के अभाव में किसी इलाज नहीं रुकने पाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि इस्टीमेट की प्रक्रिया को प्राथमिकता पर पूर्ण कराकर शासन को उपलब्ध कराएं। शासन से इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

भाजपा ने यमुना नदी की सफाई को लेकर आम आदमी पार्टी पर बोला हमला

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने यमुना नदी की सफाई को लेकर आम आदमी पार्टी और प्रदेश सरकार पर हमला बोला है और कहा है कि छठ पूजा नजदीक है और हमारी माताएं और बहनें यमुना जी में भगवान सूर्य की आराधना करने या अर्घ्य देने आएंगी, वो यमुना जी में कैसे डुबकी लगा पाएंगी। सचदेवा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स 'पर कहा, " दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय जी ने मेरे स्वास्थ्य की कामना की है। मैं उनका धन्यवाद देता हूं लेकिन मैं उनसे कहना चाहता हूं कि मेरे लिए मेरे स्वास्थ्य से ज्यादा जरूरी है यमुना जी की सफाई। छठ पूजा नजदीक है, और हमारी माताएं-बहनें जो यमुना जी में भगवान सूर्य की आराधना करने या सूर्य को अर्घ्य देने जाएंगी, वे किस तरह से माँ

यमुना में डुबकी लगा पाएंगी? उन्होंने कहा , मेरी एक डुबकी ने बता दिया कि आप की भ्रष्ट सरकार ने मां यमुना का क्या हाल कर रखा है। मैं अपनी दिल्ली की माताओं-बहनों और समस्त दिल्लीवासियों से कहना चाहता हूं कि अब समय आ गया है जब हमें इस भ्रष्ट सरकार से मुक्ति लेनी होगी। केजरीवाल द्वारा प्रायोजित इस भ्रष्टतंत्र का अंत हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि सचदेवा ने गत बुधवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मौजूदा मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना तथा आप नेताओं को चुनौती देते हुए यमुना में डुबकी लगाई थी, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई थी और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था।

तेजस्वी यादव का बड़ा दांव, शहाबुद्दीन का परिवार राजद लौटा, ओसामा लड़ेंगे आगामी चुनाव

● राजद और ओसामा शहाब के समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी

पटना,(एजेंसी)। पहले ओसामा शहाब राबड़ी आवास पहुंचे थे। यहां राजद सुप्रीमो लालू यादव और तेजस्वी यादव से मुलाकात की। लालू का पैर छूकर ओसामा ने आशीष लिया। इसके बाद करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। आगामी चुनाव समेत कई मुद्दों पर बातचीत हुई। पूर्वी मुख्यमंत्री लालू यादव की पार्टी में आज पूर्व सांसद दिवंगत शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा शहाब शामिल हो गए। राबड़ी आवास पर लालू प्रसाद यादव ने दिवंगत शहाबुद्दीन की पत्नी हीना शहाब और बेटे ओसामा को खुद राष्ट्रीय जनता दल की सदस्यता दिलाई। इस दौरान तेजस्वी यादव ने ओसामा को लालू के जीवन पर आधारित किताब और पार्टी का गमछा दिया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह, वरीय नेता अब्दुल बारी सिद्दकी समेत कई वरीय नेता मौजूद रहे। तेजस्वी ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि ओसामा और उनके परिवार से राजद का काफी पुराना रिश्ता रहा है। वह राजद में शामिल हो चुके हैं। आगामी चुनाव में वह राजद की ओर से मैदान में उतरेंगे। आज हम सभी लोग एकजुट हुए हैं. और हम सब मिलकर पार्टी को एकजुट होकर मजबूत करने का काम करेंगे। सांप्रदायिक शक्तियों को भगाने का काम करेंगे. राजद और ओसामा शहाब के समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी रविवार सुबह से ही राबड़ी आवास के बाहर राजद और ओसामा शहाब के समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी। सदस्यता ग्रहण करने से पहले ओसामा और उनकी मां हिना शहाब राजद राबड़ी आवास पहुंची। अगली काले रंग की गाड़ी में ओसामा थे। पीछे की गाड़ी में हिना शहाब बैठी थीं। परमात्मा राम पहले से मौजूद थे। उनके यहां पहुंचने के साथ ही कार्यकर्ता जिंदाबाद के नारे लगाने लगे। फिलहाल अंदर में मुलाकात हो रही है। समर्थक गेट के बाहर अपने नेता को देखकर काफी उत्साहित नजर आ रहे। इससे पहले शनिवार देर रात को ओसामा राबड़ी आवास पहुंचे थे। यहां राजद सुप्रीमो लालू यादव और तेजस्वी यादव से मुलाकात की। लालू का पैर छूकर ओसामा ने आशीष लिया। इसके बाद करीब एक घंटे तक बातचीत हुई। इधर, गोरिया कोठी की पूर्व प्रत्याशी नूतन वर्मा, राजद के पूर्व जिलाध्यक्ष परमात्मा राम और हीना शहाब राजद में शामिल हुए। लोकसभा चुनाव में नहीं मिला था हीना शहाब को राजद का टिकटएक वक्त था।

भारत अफ्रीका का समर्थन जारी रखेगा: सीतारमण

वाशिंगटन,(एजेंसी)। केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने जी7 और जी20 से अफ्रीका के लिए समर्थन बढ़ाने का आग्रह करते हुये कहा है कि बुनियादी ढांचे के विकास और स्वास्थ्य क्षेत्र जैसे क्षेत्रों में अफ्रीका को तकनीकी विशेषज्ञता और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की पेशकश करते हुए भारत अफ्रीका को हर तरह से समर्थन करना जारी रखेगा। श्रीमती सीतारमण ने आज यहां विश्व बैंक और अतंरराष्ट्रीय मुद्रा कोर्ष (आईएमएफ) के अवसर पर अफ्रीका में विकास के लिए जी7 पहलों और विकास वित्त चुनौतियों के लिए देश-विशिष्ट समाधानों पर चर्चा करने के लिए जी7 अफ्रीकी मंत्रिस्तरीय गोलमेज

सम्मेलन में भाग लिया। भारत और अफ्रीका के बीच गहरी साझेदारी को देखते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 मार्गदर्शक सिद्धांतों के साथ इस साझेदारी को फिर से परिभाषित किया है, जिसका उद्देश्य क्षमता निर्माण, बेहतर सार्वजनिक सेवाओं और जलवायु परिवर्तन से निपटने के माध्यम से अफ्रीका के विकास का समर्थन करना है। उन्होंने विकास के लिए दीर्घकालिक और किफायती वित्तपोषण तक पहुंच बढ़ाने का आग्रह किया, जिसमें संरचनात्मक सुधारों और नीतिगत उपायों द्वारा घरेलू संसाधन जुटाने को बढ़ावा दिया जाना चाहिए और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दीर्घकालिक वित्तीय लचीलापन बनाने के लिए विदेशी निवेश को आकर्षित करना चाहिए।

वित्त मंत्री ने विशेष रूप से बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमबीडी) की बढ़ी हुई ऋण देने की क्षमता के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से समर्थन बढ़ाने पर जोर दिया, जो सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण है।

जिम ट्रेनर की दोस्ती बनी जानलेवा

● पिछले 4 महीने से लापता महिला का शव डीएम कंपाउंड में मिला

कानपुर,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक जिम ट्रेनर ने महिला की बेरहमी से हत्या कर शव को कानपुर के जिला मजिस्ट्रेट के आवास परिसर में ही दफना दिया। इस वारदात का अब 4 महीने के बाद खुलासा हुआ है, जब पुलिस ने अपराधी को गिरफ्तार कर उससे सख्ती से पूछताछ की। पुलिस की तरफ से बताया जा रहा है कि जिम ट्रेनर और महिला के बीच संबंध थे और किसी विवाद के बाद आरोपी ने गुस्से में आकर इस खौफनाक वारदात को अंजाम दे डाला। जानिए, क्या है पूरा मामला? सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, कानपुर जिले में एक महिला बीते जून के महीने से लापता था। वह जून महीने में ग्रीन पार्क स्टेडियम में जिम गई थी और फिर वो वापस ही नहीं लौटी। लापता महिला की पहचान एकता गुप्ता (32 वर्ष) के रूप में हुई है। महिला के पति राहुल गुप्ता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि विमल सोनी नाम के जिम ट्रेनर ने उनकी पत्नी का अपहरण कर लिया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की, लेकिन पुलिस को कोई भी सुराख हाथ नहीं लगा। लापता महिला का शव क्ड कंपाउंड में मिला इसके बाद भी पुलिस की जांच लगातार जारी रही। फिर जब पुलिस ने आरोपी को पकड़कर सख्ती से पूछताछ की तो उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। उसने बताया कि कैसे उसने महिला की हत्या कर उसके शव को डीएम कंपाउंड में दफना दिया। अपराधी सोनी की इस बात को सुनकर पुलिस के पैरों तले जमीन खिसक गई कि इतनी सख्त सिक्योरिटी के बावजूद भी उसने महिला के शव को डीएम कंपाउड में कैसे दफनाया। अपराधी के कबूलनामे के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंचे और महिला के शव को बाहर निकाला। जिसके बाद पुलिस ने शव के कंकाल को फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया। जानिए, इस मामले में क्या कहना है पुलिस का? वहीं इस मामले में पुलिस का कहना है कि जिम ट्रेनर और मृतक महिला के बीच संबंध था और जब लड़के की शादी तय हुई तो महिला ने उसके साथ झगड़ा किया। जिसके बाद गुस्साए जिम ट्रेनर ने महिला के गले पर हमला कर दिया और गाड़ी में ही मार दिया। हत्या करने के बाद अपराधी महिला के शव को डीएम कंपाउंड में लेकर आया और फिर उसे वहां पर दफना दिया। जिम ट्रेनर ने इस दिल दहला देने वाली घटना को जून के महीने में ही अंजाम दे दिया था। कार मिलने के बाद पुलिस ने मामले को हल्के में लिया था जिम ट्रेनर के पास एक कार थी। जो शोएब के नाम से रजिस्टर्ड थी। पुलिस ने जिम ट्रेनर और महिला के लापता होने के बाद 25 जून को कार बरामद की थी।

हक

पिछले दिन सुप्रीम कोर्ट ने आदेश पारित किया है कि मुस्लिम महिलाओं को गुजारे भत्ते के बाद पूरा हक है और वे सी.आर.पी.सी. की धारा 125 (अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 144) के अन्तर्गत केस दायर कर सकती हैं ।असल में बहुत साल पहले राजीव गांधी के जमाने में शाह बानो नाम से प्रसिद्ध केस में सुप्रीम कोर्ट ने ऐसा ही आदेश पारित किया था कि तलाक के बाद मुस्लिम बीवी को गुजारे भत्ते का हक है । मुस्लिम विरोध को देखते हुए तब के प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने संसद से ऐसा बिल पारित करवा लिया कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला निरस्त होकर प्रभावहीन हो गया ।वर्तमान फैसला मोहम्मद अब्दुल समद द्वारा दायर याचिका को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने दिया है । असल में समद की तलाकशुदा पत्नी ने फैमिली कोर्ट में तेलंगाना में एक केस दायर किया था और फैमिली कोर्ट ने महिला के हक में फैसला सनाया था । पत्नी के पति समद ने इसे पहले जिला कोर्ट में और फिर तेलंगाना हाईकोर्ट में चौलेंज किया था । दोनों कोर्टों ने महिला के पक्ष में फैसला दिया और फैमिली कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा । इसी को चौलेंज करने समद सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था । सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बैंगलोर वेंकटरमैयानागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जार्ज ने फैमिली कोर्ट के फैसले को बरकरा रखा । अब केन्द्र में वर्तमान भाजपा की सरकार राजीव गांधी की तरह इस फैसले में देखलंदाजी नहीं करेगी क्योंकि यू.सी.सी. (यूनिफॉर्म सिविल कड) केन्द्र की एक योजना है । कुछ राज्यों में यह लागू भी हो चुका है । इसका मतलब है कि आप किसी भी धर्म के हो, तलाक, गुजारा–भत्ता, विवाह, सम्पत्ति का बंटवारा, धर्म परिवर्तन आदि में सभी पर एक जैसा कानून लागू होगा । गोवा में यह नियम पुर्तगालियों के जमाने से चला आ रहा है । उत्तराखण्ड में यह लागू हो रहा है । गुजरात में भी कुछ दिनों में लागू हो जायेगा। मध्य प्रदेश, राजस्थान, असम इसकी पूरी तैयारी में हैं । असल में मुस्लिम धर्मगुरु इसे शरीयत के खिलाफ मानते हैं और कहते हैं कि संविधान में, धर्म को लेकर जो गारंटी दी गई है, यह फैसला उसके खिलाफ है । अभी देश में सिख, ईसाई, पारसी पारसी, आदिवासियों आदि के लिए बहुत से मुद्दों पर उनके अपने नियम हैं। भाजपा का कहना है कि अनेक मुस्लिम देशों ने प्रगति करके अपने तकियानूसी नियमों को छोड़ दिया है ।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

भुल गएं क्या उत्तराखंड की दरारें

वीरेन्द्र कु. पैन्यूली

यह दुखद ही है कि जनवरी, 2023 में जब जोशीमठ में घरों में दरार दिखना, उनके चौड़ा होना, उनसे पानी फूटने पर सरकार ने जो चिंता दिखाई थी, वह मार्च, 2023 से गायब ही बनी हुई है।आज तो रुख ऐसा है कि जैसे कुछ हुआ ही न हो। जोशीमठवासी कहते हैं कि जनवरी और फरवरी, 2023 में सरकार के जिन आासनों पर आंदोलन रोका गया था उन पर आज तक सरकार की ओर से कोई खास प्रगति नहीं हुई है। नगर में राहत, पुनर्वास, ड्रैनेज, भूधंसाव, भूस्खलन और भूबहाव की समस्याएं जस की तस हैं। इनका जमीनी निदान न होने से स्थानीय निवासी आहत हैं। अब जब उन्होंने मार्च, 2024 में राज्य सरकार को भी बता दिया है कि वे जोशीमठ में ही रहेंगे। तब तो संवेदना जगती। लगातार भूस्खलन उन्हें डरा भी रहे हैं।

जमीनी काम कुछ नहीं हो रहा है। इसकी पुष्टि 15 जुलाई, 2024 को एनजीटी ने भी कर दी है। स्पष्ट रूप से उत्तराखंड के मुख्य सचिव को बता दिया गया है कि जोशीमठ पर राज्य सरकार के जून माह के जवाबों से संतुष्ट नहीं है। साफ है कि जोशीमठ पर कोई जमीनी काम नहीं हुआ है। केवल समीक्षाएं और मीटिंग हो रही हैं। प्रदूषण पर भी कोई काम नहीं हुआ। भार वहन क्षमता पर भी कोई काम नहीं हुआ है। स्मरण रहे कि इसरो की जनवरी, 2023 दूसरे सप्ताह में सार्वजनिक हुई उपग्रहीय तस्वीरों और आंकड़ों के विलेषणों के अनुसार जोशीमठ तब के पिछले सात महीनों में 9 सेमी. और तात्कालिक बारह दिनों में 5 सेमी. धंसा था। इस पर प्रधानमंत्री ने 8 जनवरी, 2023 को स्वयं मुख्यमंत्री से बात की थी। तभी प्रधानमंत्री के सचिवालय में मीटिंग हुई थी। 8 जनवरी, 2023 को राज्य सरकार ने जोशीमठ को लैंडस्लाइड्स एंड सबसीडेंस जोन घोषित कर दिया था। घोषणा अस्तित्व में है।मुख्यमंत्री धामी ने तभी कहा था कि जोशीमठ समेत कई पहाड़ी शहरों की भार वहन क्षमता का आकलन किया जाएगा जो अब तक नहीं हुआ है। इसी नौ जुलाई को प्रातरू बदरीनाथ मार्ग पर पाताल गंगा के पास पत्रंयकारी भूस्खलन टूटते पर्वत खंड के भारी गुबार के साथ हुआ जिसका वीडियो देश–विदेश में काफी वायरल रहा। गनीमत थी कि उसके नीचे वहां वाहन नहीं थे। कोई चौरासी घंटों के बाद किसी तरह रास्ता खुला। हजारों लोगों को जोशीमठ में रुकना पड़ा।जोशीमठ प्रवेश के एक किमी. पहले भी भूस्खलन था किन्तु फिर भी राज्य सरकार की चिंता में तब बदरीनाथ विधानसभा सीट का दस जुलाई को होने वाला उपचुनाव ही था। विडम्बना है कि यह भूस्खलन और उसके बाद रह–रह कर होते भूस्खलन उत्तराखंड सरकार के आपदा सचिव के जोशीमठ के नागरिकों को जोशीमठ में ही मार्च–अप्रैल, 2024 में यह जानकारी साझा करने के बाद हो रहे थे कि अगले तीन सालों में जोशीमठ का स्थिरीकरण कर दिया जाएगा। जोशीमठ संघर्ष समिति के अतुल सती का कहना था कि यदि ऐसा होना है तो जोशीमठवासियों को क्यों हटाया जा रहा है।यह स्थिरीकरण हो सकता है, ऐसा कोई वैज्ञानिक शायद ही माने। 1976 की जोशीमठ पर मिश्रा रिपोर्ट में भी कहा गया था कि जोशीमठ पुराने भूस्खलन के मिट्टी और पत्थर के मलबे पर स्थित है। कोई ठोस

चट्टान का आधार नहीं है। नीचे जोशीमठ में आधार पर अलकनंदा–ध गौलीगंगा कटान कर रही हैं। यहां निरंतर धंसाव हो रहा है और नये निर्माण से परहेज किया जाना चाहिए। वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी ने भी सितम्बर, 2023 में ही जोशीमठ पर अपनी वैज्ञानिक रिपोर्ट में चेतावनी दे दी थी कि उसके जियोफिजिकल अनुसंधानों से पता चला है कि जोशीमठ के मनोहरबाग में पांच से तीस मीटर गहराई में नया उच्च भूस्खलन प्रभावित जोन मिला है। यहां से पानी की निकासी ठीक नहीं होने से दिक्कतें बढ़ सकती हैं और भारी भूस्खलन हो सकता है। स्मरण रहे कि जोशीमठ के मनोहरबाग वार्ड और मारवाड़ी वार्ड में ही भारी मात्रा में 2 जनवरी, 2023 को भूधंसाव हुआ था। सैकड़ों घरों और होटलों पर में दरारें आ गई थीं। जगह–जगह सड़कें भी धंसी थीं। मनोहरबाग वार्ड में सुरक्षा के तौर पर दो होटलों माउंट व्यू और होटल मलारी का ध्वस्तीकरण किया गया अर्थात जोशीमठ में नौ जुलाई के बाहरी भूस्खलनों के अलावा भीतर के भूस्खलनों, भूफिसलावों के जो खतरे हैं, वाडिया संस्थान इन्हीं से आगाह कर रहा है।

जोशीमठ जिस हिमोड में बसा है, उसके मिट्टी, मलबा, पत्थरों में पानी का भीतर रिसना आसान रहता है। भीतर पहुंचा पानी ग्रीजिंग सा असर दे भूखंड फिसलावों की गति में तेजी ले आता है। ऐसे में सैकड़ों हजारों साल पुराने ठोस लगते विशालकाय हिमोड क्षेत्र भी नीचे खिसकने लगते हैं जिससे भवनों का धंसना, तिरछा होना भी हो सकता है। जीएसआई ने भी जोशीमठ में 81 दरारें चिन्हित की थीं। इनमें से 42 वो थीं जो जनवरी, 2023 के भूधंसाव की थीं।एनजीआरआई और सीजीडब्लूयूबी ने भी जेपी कॉलोनी के जल–रिसाव पर कहा था कि इसके लिए 18 से 48 मीटर मोटाई का भूमिगत जल भंडार कारण हो सकता है। दरारें जोशीमठ, सड़कों, खेतों सभी जगह उभर आती हैं। फ्लो फ्लड हुए तो दरारों के माध्यम से वहां पहुंचा पानी जमीन के भीतर भी ढीले मिट्टी पत्थरों को भीतर ही भीतर बहा कर आगे बढ़ा सकता है। इससे मकानों, भवनों, पिलरों की नींव सामग्रियों के कटान और बहाव से भवन, पुल आदि तिरछे हो सकते हैं, ध्वस्त हो सकते हैं।जोशीमठ के भूधंसाव के जोखिम छोटे से छोटे भूकंप के कारण भी निरंतरता में रहेंगे। जोशीमठ भूकंप सक्रियता के जोन 5 में पड़ने वाला क्षेत्र है।वाडिया इंस्टिटयूट ऑफ हिमालयन जियोलॅजी, देहरादून के वैज्ञानिक इसका भी अध्ययन कर रहे हैं कि क्या जोशीमठ की दरारों के लिए भूकंप जिम्मेदार हैं। उसने शहर के भीतर ही सिस्मिक स्टेशन लगाए हैं। अभी तक दसियों भूकंप दर्ज किए गए हैं। ड्रैनेज प्रणाली का अभाव जोशीमठ भूधंसाव का प्रमुख कारण है। 28 जनवरी, 2023 तात्कालिक आवश्यक पांच नालों की लाइनिंग, ड्रैनेज और सीवरेज के लगभग दो सौ करोड़ रुपये के काम सचिव आपदा प्रबंधन द्वारा यह कहते हुए लंबित किए गए थे कि कौन से घर टूटेंगे, कौन से रहेंगे और किस–किस क्षेत्र से लोगों को हटाया जाएगा, यह वैज्ञानिक रिपोटरे के बाद ही तय होगा। उन पर वैज्ञानिक रिपोर्ट मिलने के बाद भी आज तक कुछ भी बढ़त नहीं हुई है।

आरक्षण को लेकर आंदोलन बेकाबू

डॉ. दिलीप चौबे

बांग्लादेश में आरक्षण को लेकर छात्रों का आंदोलन बेकाबू हो गया है। देश में अस्थिरता का संकट मंडरा रहा है। हाल में प्रधानमंत्री शेख हसीना ने फिर से जनादेश हासिल किया लेकिन आम चुनाव में पराजित राजनीतिक तत्वों को बदला लेने का मौका मिल गया।चुनाव का बहिष्कार करने वाली विरोधी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और कट्टर मुस्लिम संगठन जमायते इस्लामी पर्दे के पीछे असंतोष को हवा दे रहे हैं। इतना ही नहीं कूटनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि बांग्लादेश महाशक्तियों के शक्ति–संघर्ष का अखाड़ा बन गया है।भारत के लिए बांग्लादेश का घटनाक्रम विशेष चिंता का विषय है। पड़ोसी देश म्यांमार में पहले से ही गृह–युद्ध और सैन्य संघर्ष के हालात हैं। अब इसी क्षेत्र में एक अन्य पड़ोसी देश ने भी अस्थिरता का संकट पैदा हो गया है। यह भारत के लिए विदेश नीति ही नहीं बल्कि आंतरिक सुरक्षा की समस्या भी पैदा करता है। पूर्वोत्तर भारत का मणिपुर राज्य काफी समय से अशांति से पीड़ित है। पड़ोस के अन्य राज्यों पर भी इसका असर पड़ रहा है। पूर्वोत्तर भारत में सामान्य स्थिति बनी रहे इसके लिए आवश्यक है कि म्यांमार और बांग्लादेश में भी शांति और स्थिरता कायम हो।भारत कभी नहीं चाहेगा कि पड़ोसी देश में शेख हसीना की सरकार अस्थिर हो। यह भी संभव है कि जरूरत पड़ने पर भारत की ओर से बांग्लादेश में आवश्यक सहायता मुहैया कराई जाए। पिछले काफी समय से यह चर्चा है कि म्यांमार में अमेरिका और यूरोपीय देश ईसाई बहुल क्षेत्र में एक पृथक देश श्कुकी लैंड्य बनाने की योजना पर काम कर रहे हैं। कुकी विद्रोहियों को हथियार और आर्थिक संसाधन मुहैया कराए जा रहे हैं।

पश्चिमी देशों की भारत से अपेक्षा थी कि वह म्यांमार की सैनिक सत्ता के खिलाफ सख्त रवैया अपनाए। लेकिन भारत ने अपने राजनीतिक हितों के मद्देनजर संतुलित नीति अपनाई। इस क्षेत्र में कुकी लैंड की स्थापना पूर्वोत्तर भारत के लिए भी समस्या का कारण भी बन सकती है। बांग्लादेश में भारत के रणनीतिक हित और भी अधिक प्रबल हैं। विशेषकर ऐसी स्थिति में जब भारत विरोधी बीएनपी और जमायते इस्लामी सत्ता पर काबिज होने की कोशिश कर रही हैं। अमेरिका और पश्चिमी देशों की भूमिका भी संदिग्ध है।प्रधानमंत्री शेख हसीना ने आम चुनाव के समय ही आरोप लगाया था कि अमेरिका और पश्चिमी देश चुनाव में हस्तक्षेप कर रहे हैं। अब उनके आरोपों को और बल मिल गया है। ऊपरी तौर पर छात्रों का आंदोलन कुछ सीमा तक जायज माना जा सकता है। देश में आरक्षण व्यवस्था के तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में 56 फीसद सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है। सबसे अधिक 30 फीसद सीटें बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष में भाग लेने वाले लोगों के उत्तराधिकारियों के लिए आरक्षित है।इसके अलावा महिलाओं और पिछड़े जिलों के लिए 10–10 फीसद और आदिवासियों के लिए 5 फीसद आरक्षण की व्यवस्था है। विकलांगों के लिए 1 फीसद आरक्षण है। आरक्षण व्यवस्था के खिलाफ 2018 में भी व्यापक छात्र आंदोलन हुआ था जिसके बाद यह व्यवस्था ठंडे बस्ते में डाल दी गई। पूरा विवाद पिछले महीने दोबारा उभरा जब उच्च न्यायालय ने आरक्षण की व्यवस्था फिर से बहाल कर दी। शेख हसीना ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा था कि मुक्ति संघर्ष के योद्धाओं के उत्तराधिकारियों को आरक्षण दिए जाने में क्या आपत्ति है। उन्होंने विरोधियों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि श्क्या पाकिस्तान का साथ देने वाले रजाकारों के उत्तराधिकारियों को आरक्षण मिलना चाहिए।य यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि नई पीढ़ी बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष का अपमान कर रही है। शेख हसीना सरकार के कामकाज की आलोचना की जा सकती है लेकिन मुक्ति संघर्ष को भूलाना और रजाकारों का महिमामंडन कदापि उचित नहीं। इससे यह भी पता चलता है कि बांग्लादेश में इस्लामीकरण का संकट बरकरार है जिसका असर भारत पर भी पड़ सकता है। भारत ने वर्ष 1971 में बांग्लादेश मुक्ति संघर्ष में निर्णायक भूमिका निभाई थी। आधी सदी बाद मुक्ति संघर्ष की विरासत को बचाने के लिए भारत की ओर सबकी नजर होगी।

आदिवासी अंचलों में पहुंच रही हैं योजनाएं

छगनलाल लोन्हारेध्जी.एस. केशरवानी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने छत्तीसगढ़ में 32 प्रतिशत जनजातीय समुदाय की आबादी को देखते हुए राज्य की बागडोर विष्णु देव साय के हाथों में सौंपी है। राज्य गठन के 23 वर्षों बाद वे ऐसे पहले आदिवासी नेता है जिन्हें राज्य के मुखिया के तौर पर कमान सौंपी गई है। राज्य में नई सरकार की गठन के साथ ही उन्होंने किसानों, महिलाओं और वंचित समूहों को आगे बढ़ाने के लिए योजनाओं की शुरूआत की। वे सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के ध्येय वाक्य को लेकर सभी वर्गों की उन्नति और बेहतरी के लिए काम कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी संस्कृति की देश–विदेश में अलग पहचान रही है। राज्य के आदिवासी अंचल एक ओर वनों से आच्छादित है। वहीं इन क्षेत्रों में बहुमूल्य खनिज सम्पदा भी है। मनोरम पहाड़ियां, झरनें, इठलाती नदियां बरबस लोगों को आकर्षित करती हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में गठित नई सरकार बनने के बाद राज्य के आदिवासी अंचलों में जन जीवन में तेजी से बदलाव लाने और उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के लिए अनेक नवाचारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।आदिवासी समुदाय को सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए संचालित की जा रही महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री जनमन योजना में आदिवासी बहुल क्षेत्रों में सड़क, बिजली, आवास, पेयजल जैसी महत्वपूर्ण मूलभूत सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। साथ ही केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है।

आदिवासी क्षेत्रों के तेजी से विकास सुनिश्चित करने के लिए केन्द्र सरकार की पहल पर जगदलपुर के नगरनार में लगभग 23 हजार 800 करोड़ रूपए की लागत से वृहद स्टील प्लांट लगाया गया हैं, इससे आने वाले वर्षों में बस्तर अंचल की पूरी तस्वीर बदलेगी। लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा साथ ही रोजगार के नए अवसरों का निर्माण होगा।इस साल के केन्द्रीय बजट में जनजाति उन्नत ग्राम अभियान योजना शामिल की गई है। इस योजना से राज्य के लगभग 85 विकासखंडों में शामिल गांवों को विभिन्न मूलभूत सुविधाएं मिलेगी। इसके अलावा जैविक खेती को बढ़ावा देने जैसी प्राथमिकताएं भी जनजाति क्षेत्रों की दशा और दिशा बदलेंगी।

जनजाति क्षेत्रों के तेजी से विकास सुनिश्चित करने के लिए भारत माला प्रोजेक्ट के अंतर्गत रायपुर–विशाखापत्तनम एक्सप्रेसवे बनाया जा रहा है 464 किलोमीटर लंबा और छह लेन चौड़ा एक्सप्रेसवे होगा। यह

छत्तीसगढ़, ओडिशा और आंध्र प्रदेश से होकर गुजरेगा। यह एक्सप्रेसवे मार्ग छत्तीसगढ़ में 124 किलोमीटर, ओडिशा में 240 किलोमीटर और आंध्र प्रदेश में 100 किलोमीटर बनेगी। उड़ीसा से आंध्रप्रदेश के विशाखापटनम तक बनाए जा रहे इस नए कॉरिडोर से आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। वहीं नए उद्योगों की स्थापना से रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी।बस्तर के माओवादी आतंक से सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक तरफ सुरक्षा कैंपों की सख्या बढ़ायी जा रही है। वहीं सुरक्षा कैंपों के आसपास 5 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों में केन्द्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए नियद् नेल्लानार जैसी नवाचारी योजनाओं की शुरूआत की गई है। इस योजना के बेहतर और सार्थक परिणाम मिल रहे हैं। लोगों का विश्वास फिर से शासन–प्रशासन के प्रति लौटने लगा है।आदिवासियों की आय में वृद्धि और उन्हें बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकार तेजी से काम कर रही है। प्रदेश सरकार ने लगातार ऐसे कदम उठाए हैं, जिनसे वनों के साथ आदिवासियों का रिश्ता फिर से मजबूत हुआ है। वनांचल क्षेत्रों में लघु वनोपज की समर्थन मूल्य पर खरीदी के साथ–साथ तेन्दूपत्ता का खरीदी कार्य भी पहले से अधिक व्यवस्थित रूप से किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा 36 कॉलेजों के भवन–छात्रावास निर्माण के लिए 131 करोड़ 52 लाख रूपए मंजूर किए गए है। इससे प्रदेश के 36 कॉलेजों के इंफ्रास्ट्रक्चर सुदृढ़ होंगे तथा शैक्षणिक माहौल को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। वहीं युवाओं को उच्च स्तर की शैक्षणिक सुविधाएं प्राप्त होगी और वे बेहतर भविष्य की ओर बढ़ सकेंगे।राज्य सरकार ने तेन्दूपत्ता पारिश्रमिक दर प्रतिमानक बोरा 4000 से बढ़ाकर 5500 रूपए कर दिया है। इससे लगभग 13 लाख जनजाति परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। इन क्षेत्रों में लघु वनोपज संग्रहण भी महिला स्व–सहायता समूहों के माध्यम से हो रहा है। लघु वनोपज के प्रसंस्करण के लिए वनधन केन्द्रों की स्थापना की गई है।

प्रदेश में जनजातिय समुदाय के बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए 75 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। इसके अलावा माओवादी प्रभावित क्षेत्र के बच्चों के लिए 15 प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित है। इन विद्यालयों में मेधावी विद्यार्थियों को अखिल भारतीय मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कराई जा रही हैं। नई दिल्ली में संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा की तैयारी के लिए संचालित यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 185 कर दी गई है।राज्य में बस्तर, सरगुजा, मध्य क्षेत्र आदिवासी विकास, अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण तथा छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण अन्य पिछड़ा वर्ग विकास प्राधिकरणों के कामकाज को व्यवस्थित और प्रभावित बनाने के लिए इनका पुनर्गठन किए जाने का निर्णय लिया गया है। इन प्राधिकरणों की कमान अब मुख्यमंत्री के हाथों में होगी। क्षेत्रीय विधायक इन प्राधिकरणों के सदस्य होंगे तथा मुख्यमंत्री के सचिव अथवा सचिव इन प्राधिकरणों के सदस्य सचिव होंगे।आदिवासी संस्कृति के संरक्षण के लिए बस्तर अंचल के देवगुड़ियां और घोटुलों तथा अन्य ऐतिहासिक धरोहरों के आसपास एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया जा रहा है। इससे लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है, साथ ही ऐसे स्थानों में प्राकृतिक सुन्दरता भी बढ़ेगी।

२९ से प्रारम्भ हो जाएगा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का कार्यक्रम

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट सभागार में अर्हता तिथि 01.01.2025 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के सम्बन्ध में राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि भारत

➤ जिलाधिकारी ने निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के सम्बन्ध में राजनैतिक दलों के साथ की बैठक

➤ दावे/आपत्तियॉ प्राप्त करने हेतु 09, 10, 23 व 24 नवम्बर को चलाया जायेगा विशेष अभियान,

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 01.01.2025 के आधार पर विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कराये जाने के निर्देश दिये गये है जिसमें मतदाता सूची को अद्यावधिक किया जायेगा, अर्ह व्यक्ति का नाम शामिल किया जायेगा, अनर्ह व्यक्ति का हटाया जायेगा व मतदाता के नाम व प्रविष्टियों की त्रुटियों को शुद्ध किया जायेगा। उन्होने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के सम्बन्ध में राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को बताया कि निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 29 अक्टूबर को किया जायेगा, दावे/आपत्तियॉ 29 अक्टूबर से 28 नवम्बर तक प्राप्त की जायेंगी, पुनरीक्षण अवधि में दावे/आपत्तियों को प्राप्त किये जाने हेतु विशेष अभियान 09 नवम्बर (शनिवार), 10 नवम्बर (रविवार) , 23 नवम्बर (शनिवार) व 24 नवम्बर (रविवार) को चलाया जायेगा। दावे/आपत्तियों की जांच/निस्तारण 24 दिसम्बर 2024

तक किया जायेगा। उन्होने बताया कि दावे/आपत्तियों हेतु आनलाइन आवेदन किया जा सकता है। निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन 06 जनवरी 2025 (सोमवार) को किया जायेगा।

उन्होने बताया कि अर्हता दिनांक 01.01.2025 को ऐसे व्यक्ति जो 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हो या पूर्ण कर लिये हो वह अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने हेतु मतदान केन्द्रों/मतदेय स्थलों पर नियुक्त पदाभिहित अधिकारियों या बूथ लेबिल आफिसर के साथ या सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय (तहसील कार्यालय) में प्रारूप–6 जमा कर सकते है। निर्वाचक नामावली में अंकित प्रवृष्टियों को अपमार्जित हेतु प्रारूप–7 का प्रयोग किया जायेगा। उन्होने बताया कि निर्वाचक नामावली में अंकित प्रविष्टियों में विद्यमान त्रुटियों को शुद्ध कराये जाने हेतु जैसे नाम, पिता/पति का नाम, आयु, मकान नम्बर गलत दर्ज है वह मतदाता प्रारूप–8 भरकर पासपोर्ट आकार का कलर फोटो लगाकर पदाभिहित अधिकारियों या बूथ लेबिल आफिसर के पास या सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में जमा कर सकते है। उन्होने बताया है कि सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को आलेख्य प्रकाशन के प्रयोगार्थ समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची उपलब्ध करायी जायेगी, मतदाता सूची को गहनता से अपने–अपने अधीनस्थ बूथ लेबिल ऐजेन्टों के माध्यम से दिखवा लिया जाये, यदि कोई त्रुटि या किसी अर्ह मतदाता का नाम सम्मिलित करने से छूट गया हो तो दिनांक 29 अक्टूबर से प्रारम्भ हो रहे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के दौरान आवेदन पत्र भरवाकर मतदाता सूची को अद्यावधिक कराने में अपना सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, कांग्रेस पार्टी के नीरज त्रिपाठी, सपा से अब्दुल कादिर, मो0 वासिक खान व गौरव यादव, बसपा से अश्वनी, अपना दल (एस) से ज्ञानेन्द्र वर्मा, आम आदमी पार्टी से भास्कर तिवारी सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

सोते समय बालिका को सांप ने डसा, मौत

बल्दीरायध्सुल्तानपुर। बल्दीराय थाना क्षेत्र के बघौना बाजार में बीती रात कमरे में सो रही नौ वर्षीय बालिका को सांप ने डस लिया। रोने की आवाज सुनकर परिजन जाग गए। आनन–फानन में बालिका को निकट के अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल से इलाज कराने के बाद वापस घर पहुंचे। घर पहुँचने के कुछ देर बाद बालिका की हालत और बिगड गई जिससे उसकी मौत हो गई। मामला बल्दीराय थाना क्षेत्र के बघौना बाजार का है। गांव निवासी सुखदेव गुप्ता की पुत्री अंशिका (09) सोमवार की रात खाना खाने के बाद कमरे में सोने के लिए चली गई थी। देर रात को कमरे में घुसे सांप ने उसे डस लिया। सांप के काटने के बाद अंशिका की आंख खुल गई। वह दर्द की वजह से रोने लगी उसके रोने की आवाज सुनकर माता पिता जाग गए। कमरे से सांप निकलता देख सभी के होश उड़ गए। परिजन आनन फानन मे अंशिका गुप्ता को उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सक ने अंशिका का इलाज किया उसके बाद उसे घर भेज दिया।

जहाँ पर उसकी हालत गंभीर हो गई जिससे उसकी मौत हो गई। बेटी की मौत की खबर सुनते ही परिजन में चीख पुकार मच गई। उधर सूचना मिलने के बाद स्थानीय थाना पुलिस भी मौके पर आ गई। बालिका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। हादसे के बाद परिजन का रो–रोकर बुरा हाल है।

पत्नी के मायके से न आने पर लगाई फांसी

चित्रकूट। युवक का शव पेड़ से लटकता मिलने की जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने थाने में ससुरालियों के उत्पीडन के संबंध में तहरीर दी है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है।

रैपुरा थाना क्षेत्र के भौंरी के गेटापुरवा निवासी चुन्नीलाल रैदास ने बताया कि उसके पुत्र धीरज (28) का विवाह पराको गांव की शीला देवी के साथ चार जून 2024 को हुआ था। एक बार मायके जाने के बाद बहू शीला नहीं लौटी और कई बार उसके पुत्र धीरज को ससुराल बुलाकर रुपये ऐंठे। रुपये न देने पर थाने में फर्जी शिकायत की। मायके आने से इंकार करती रही। बताया कि दो दिन पूर्व बुधवार को धीरज पत्नी को लेने ससुराल पराको गया था। आरोप लगाया कि उसे वहां बहू व उसके दो बहनोईयों ने जमकर जलील किया और मारने पीटने की धमकी दी। घर लौटकर पुत्र ने उसे पूरी बात बताई। इसके बाद वह गुमसुम रहने लगा। गुरुवार की देर शाम को वह घर से बिना किसी को कुछ बताये निकल गया। पूरी रात उसे परिजन ढूंढते रहे लेकिन कुछ पता नहीं चला। शुक्रवार की सुबह कुछ ग्रामीणों ने गांव के बाहर एक पेड़ पर उसका शव लटकता देख जानकारी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने भी उसके मौत की पुष्टि की।

संक्षेप

03 गुण्डों को किया जिला बदर

प्रतापगढ़। जनपद प्रतापगढ़ के जिन व्यक्तियों के आस–पास के क्षेत्रों में आतंक व भय व्याप्त है और उनके विरूद्ध कोई भी व्यक्ति कुछ बोलने अथवा साक्ष्य देने का साहस नहीं करता है ऐसे 03 व्यक्तियों को जिला मजिस्ट्रेट संजीव रंजन ने गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धारा–3(3) के तहत जनपद की सीमा से 06 माह के लिये निष्कासित कर दिया है। उन्होने थाना जेठवारा ग्राम सण्डवा खास के अजय सिंह उर्फ अंकुर सिंह सुत कल्लू सिंह तथा भूपेन्द्र सिंह उर्फ लोहा सिंह सुत कल्लू सिंह एवं थाना पट्टी ग्राम सराय मधई के सिराज सुत बफाती को जनपद की सीमा से 06 माह के लिये निष्कासित कर दिया है।

बीएसए ने विद्यालयों का किया निरीक्षण

चित्रकूट। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा ने शनिवार को सदर ब्लाक के विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान शैक्षिक गुणवत्ता, मिड–डे मील, पठन पाठन आदि व्यवस्थाएं देखी। शिक्षको के समक्ष शैक्षणिक स्तर का आकंलन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा की गुणवत्ता मे निरन्तर सुधार करते हुये बच्चो को निपुण लक्ष्य की प्राप्ति कराना सुनिश्चित करें। विद्यालय प्रागंण में किचेन गार्डन व वृक्षारोपण का कार्य कराएं। शिक्षको को निर्देशित किया कि वर्तमान में इंस्पायर अवार्ड योजनान्तेर्गत विद्यालय से पांच बच्चो का आवेदन कराया जाए।

जहरखुरानों ने श्रद्धालु को बनाया शिकार

चित्रकूट(आरएनएस)। तीर्थ क्षेत्र घूमने आये अधेड को जहरखुरानो ने अपना शिकार बना लिया। स्थानीय लोगो ने सड़क किनारे बेहोसी दशा मे पड़ा देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने जिला अस्पताल मे भर्ती कराया है। अहमदाबाद गुजरात निवासी शैलेश चौहान (55) पुत्र ब्रजलाल चित्रकूट घूमने आये थे। जहां जहरखुरानो ने अपना शिकार बना लिया। पुलिस को पता चला तो उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल मे भर्ती कराया गया। जहा उपचार चल रहा है।

कालेज में बेहोश हुई छात्रा

चित्रकूट(आरएनएस)। कालेज मे शिक्षण कार्य करते समय एक छात्रा अचानक बेहोश हो गई। जिसे आनन फानन मे उपचार के जिला अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। कोतावली कर्वी क्षेत्र के चाकजाफर गांव निवासी लक्ष्मी (17) पुत्री रामगुलाम मुख्यालय के जनसेवा इंटर कालेज मे कक्षा नौ की छात्रा है। मंगलवार की सुबह कलेज मे शिक्षण कार्य के दौरन उसकी अचानक तबियात खराब हो गई। जिसे एम्बुलेंस से उपचार के लिए जिला अस्पताल मे भर्ती कराया गया। जहां उपचार चल रहा है।

सड़क हादसे में दो घायल

चित्रकूट। सड़क दुर्घटना मे दो लोग घायल हो गये। कोतवाली क्षेत्र के खोह गांव निवासी प्रेमशंकर (45) पुत्र टेनी व दर्शन (38) पुत्र भूरा बीती शाम सड़क दुर्घटना मे घायल हो गये। जिन्हे उपचार के जिला अस्पताल मे भर्ती कराया गया है।

रक्षा के लिए अवतार लेते हैं भगवान

ड्रमंडगंज(आरएनएस)क्षेत्र के गलरा गांव में आयोजित संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा में वृहस्पतिवार को कथावाचक डॉ ब्रह्मानंद शुक्ल ने कृष्ण और सुदामा मित्रता की कथा विस्तृत रुप से सुना कर श्रोताओ को अभिभूत कर दीया सुदामा पर कृष्ण भगवान की अपार श्रद्वा का वर्णन करते हूए कथावाचक ने कहा कि मित्रता की यह अपार मिसाल हम लोगों को निरन्तर सीख देती रहेगी जब जब पृथ्वी पर आसुरी शक्तियों का अत्याचार बढ़ने लगता है तब भगवान मनुज रूप में अवतरित होते है और आसुरी शक्तियों का नाश कर धर्म रक्षा करते है कथा सुनाते हूए इस दौरान कथा आयोजक यशोदा देवी आशुतोष तिवारी, अर्चना तिवारी, कृष्ण दत्त मिश्र, प्रभु दत्त मिश्र, शिव प्रसाद तिवारी,बालेन्दु मणि त्रिपाठी सुधीर सिंह पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी ललन सिंह, विक्रम सिंह, योगेन्द्र तिवारी, अशोक तिवारी आदि मौजूद रहे।

थाने पहुचा हत्यारोपी त्रिनयन दुबे

मीरजापुर(आरएनएस)। देहात कोतवाली क्षेत्र के गुरसंडी गांव में दान पेटी के विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या करने वाले हत्यारोपी ने इनकाउंटर के भय से कोतवाली में पहुंचकर सरेंडर कर दिया है। हाथ में तख्ती लेकर थाने पहुंचे हत्यारोपी त्रिनयन दुबे बक्श देने की गुहार लगाते हुए दिखाई दिया है जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। बताते चलें कि देहात कोतवाली के गुरसंडी चौकी क्षेत्र में 1 अक्टूबर को पुरानी रंजिश और दान पात्र के विवाद में 30 वर्षीय युवक की मां के सामने त्रिनयन दुबे ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। दिनदहाड़े हुई इस निर्मम हत्या के बाद 4 आरोपियो को पुलिस ने गिरफ्तार किया था जबकि मुख्य आरोपी की तलाश हो रही थी। पांचवे और मुख्य आरोपी ने इनकाउंटर के डर से सरेंडर कर दिया है। इसको लेकर तरह तरह की चर्चा है। त्रिनयन दूबे पुत्र रामनारायण दूबे ग्राम दूबे पचेर पोस्ट गुरूसण्डी थाना कोतवाली देहात की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 1 अदद लाइसेन्स शस्त्र (एसबीबीएल), 3 अदद जिन्दा कारतूस व 6 अदद खोखा कारतूस को भी बरामद किया गया है।

वाइक सवार ने बृद्ध को मारी टक्कर

करमा (सोनभद्र) (आरएनएस)कर्मा थाना क्षेत्र के भरूहा माइनर पर बुधवार दोपहर वाइक सवार ने जड़ेरुआ निवासी भगत यादव को टक्कर मार दिया जिसमें बृद्ध की हालत गंभीर है। पीआरवी पुलिस के सहयोग से स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया । बताया जाता है कि कर्मा थाना क्षेत्र के जड़ेरुआ निवासी भगत यादव (70)वर्ष पुत्र सुखदेव घर की दिनचर्या की खरीदारी करने मिर्जापुर–सोनभद्र मुख्य मार्ग पर स्थित भरुहा माइनर पर आये थे और समान खरीद कर वापस घर लौट रहे थे कि अचानक राबर्ट्सगंज की तरफ से आ रही वाइक सवार ने अनियंत्रित होकर भगत को ठोकर मार दी व स्वयं भी गिर पड़ा।स्थानीय लोगों ने दोनों को उठाया।फिर वाइक सवार से पूछताछ की तो उसने बताया कि मैं राबर्ट्सगंज से राजगढ़ किसी की गाड़ी बनाने जा रहा था।स्थानीय लोगों ने घर वालो को सूचना दी।

विवादित जमीन पर बिना मान्यता के ही चल रहा है अवैध विद्यालय

सुलतानपुर। वैसे तो योगी सरकार की कड़ी कार्यवाही पूरे प्रदेश में चर्चित है लेकिन जिले के शिक्षा विभाग को शायद सरकार के निर्देशो को नजरअंदाज करता दिख रहा है।बता दे कि ग्राम अलियाबाद पारा बाजार में एस डी एजूकेशनल इंस्टीट्यूट नाम से एक विद्यालय बिना मान्यता खन्ड शिक्षा अधिकारी की मिली भगत से चल रहा है। मान्यता प्राइमरी की लेकिन हाई स्कूल इन्टर तक की कक्षाए विद्यालय मे चल रही है। वर्तमान में यह मान्यता भी समाप्त हो चुकी है यही नही विद्यालय का यह रसूखदार पूर्व में बच्चो की मार्कसीट भी फर्जी तरीके से जारी कर चुका है।

तय हुई जमीन के रकवे को अधिक शेयर दिखाकर करा लिया बैनामा– शिकायतकर्ता अब्दुल अहद ने बताया कि विद्यालय गाटा संख्या 521 में है जिसमे उसका शेयर है रसूखदार विद्यालय प्रबंधक ने चाल बाजी करते हुए विक्रेता से जितने रकवे की जमीन तय हुई उससे अधिक की जमीन का बैनामा करवा लिया। जब निर्माण शुरू किया तो पीड़ित ने रोका लेकिन पैसे की हनक दिखाते हुए प्रबंधक ने जबरन विद्यालय का निर्माण करवा लिया पीडित ने एक वाद सिविल कोर्ट सुलतानपुर में दायर किया है जो विचाराधीन है। ऐसे स्थित में विद्यालय की मान्यता विभाग द्वारा दी जाती है तो विभाग के नियम के विपरीत होगी।

विद्यालय का रूसूखदार प्रबंधक मान्यता लेने हेतु कर रहा पैरवी– शिकायतकर्ता ने बताया कि उक्त विद्यालय की मान्यता सात जनवरी 2024 को समाप्त हो चुकी है अब जांच की डर से मान्यता लेने के लिए विद्यालय का रसूखदार प्रबंधक संदीप द्विवेदी विभाग के कार्यालय का चक्कर लगा रहा है। इधर विगत दो वर्ष से अपनी ही जमीन पाने के लिए बार बार शिक्षा विभाग न्यायालय जिलाधिकारी उपजिलाधिकारी सहित कई उच्चाधिकारियो के कार्यालय जाकर अपनी ही जमीन पाने के लिए न्याय की गुहार लगा रहा है शिकायत कर्ता ने बताया कि इस संबंध में शिक्षा विभाग द्वारा दोषी प्रबंधक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए संबंधित को आदेश भी जारी किया लेकिन रसूखदार की पहुंच के आगे आज तक रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। अतयंत गरीब तबके का व्यक्ति शिकायत कर्ता अब्दुल अहद ने बल्दीराय उप जिलाधिकारी गामिनी सिंगला से भी न्याय पाने के लिए फरियाद की लेकिन आज तक किसी भी सक्षम अधिकारी के कार्यालय से उसे न्याय नही मिल सका है इस विवादित जमीन पर विद्यालय की मान्यता न दिलाए जाने की शिकायत कर्ता ने मांग की है।

दूर–दराज से आये हुये शिकायतकर्ताओं की सुनी समस्याएं

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान दूर–दराज से आये हुये फरियादियों की शिकायतों को गम्भीरतापूर्वक सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त राजस्व शिकायतों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच कर, शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से करें जिससे शिकायतकर्ता को इधर–उधर भटकना न पड़े। उन्होने अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करें, कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहें इसका विशेष ध्यान दें। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनता की शिकायतों को शासन की मंशानुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ससमय करायें।

युवक की संदिग्ध परिस्थियों में मौत

जौनपुर (आरएनएस)। जिले के चन्दवक थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव में संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत हो गयी। सूचना पर पहुंचे रिश्तेदारों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी। पुलिस शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुट गयी। रामगढ़ गांव निवासी 35 वर्षीय संतोष यादव पुत्र स्व. सुग्रीव यादव रोज की भांति खाना खाकर सोने जा रहा था कि एकाएक उनकी तबीयत बिगड़ गई। आनन–फानन में परिजन निजी चिकित्सालय ले गये जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख वाराणसी रेफर कर दिया। परिजन वाराणसी ले जा थे कि रास्ते में मौत हो गयी। परिजन शव को लेकर जैसे ही घर पहुंचे कि सूचना पर पहुंचे मृतक के मामा व उनकी बहन भाई अनहोनी की आशंका जताते हुये पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही में जुट गयी। पुलिस ने बताया कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा।

महादेव सिंह, देवशरण स्मारक, कृषक इंटर कॉलेज अपने–अपने मुकाबले जीते

करारी, कौशाम्बी। डॉ. ए. एच. रिजवी पी. जी. कॉलेज करारी महाविद्यालय के मैदान में अंतर विद्यालयीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को मैदान में तीन मैच खेले गए। दर्शकों की भीड़ पूरे दिन मैदान में बनी रही। पहला मुकाबला महादेव सिंह सिंगरौर बालिका इंटर कॉलेज, कटरा एवम डी. डी. आर. पब्लिक इंटर कॉलेज महेशपुर, भरवारी के बीच प्रथम मैच खेला गया। महादेव सिंह सिंगरौर बालिका इंटर कॉलेज, कटरा के कप्तान अमित पाल ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया स डी. डी. आर. पब्लिक इंटर कॉलेज महेशपुर, भरवारी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए जीत के लिए 65 रनों का लक्ष्य रखा जवाब में महादेव सिंह सिंगरौर बालिका इंटर कॉलेज, कटरा ने 5 विकेट से मैच जीत लिया स महादेव सिंह सिंगरौर बालिका इंटर कॉलेज, कटरा के अजीत कुमार दिवाकर को उनके उत्कृष्ट खेल के लिए मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से सम्मानित किया गया जिन्होंने 24 रन बनाये। दूसरा मैच एम. वी. कॉन्वेंट स्कूल एंड कॉलेज,ओसा एवम देवशरण स्मारक इंटर कॉलेज, देवरा के बीच खेला गया स एम. वी. कॉन्वेंट स्कूल एंड कॉलेज,ओसा के कप्तान मोहम्मद बिलाल ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला लिया।देवशरण स्मारक इंटर कॉलेज, देवरा ने पहले बैटिंग करते हुए सात विकेट पर 66 रनों का लक्ष्य रखा। जवाब में एम. वी. कॉन्वेंट स्कूल एंड कॉलेज, ओसा कुल 37 रन ही बना सकी। देवशरण स्मारक इंटर कॉलेज, देवरा के आदित्य को उनके उत्कृष्ट खेल के लिए मैन ऑफ द मैच दिया गया जिन्होंने तीन विकेट लिए और एक रन आउट किया। और दिन का अंतिम मुकाबला मदर इंडिया इण्टर कॉलेज, करारी एवम कृषक इण्टर कॉलेज, हिनौता कौशाम्बी के बीच खेला गया । मदर इंडिया इण्टर कॉलेज, करारी, कौशाम्बी के कप्तान मोहम्मद समरेज ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। कृषक इण्टर कॉलेज, हिनौता कौशाम्बी ने पहले बैटिंग करते हुए 8 विकेट पर 53 रन का लक्ष्य रखा स जवाब में मदर इंडिया इण्टर कॉलेज, करारी, कौशाम्बी 49 रन ही बना सकी स कृषक इण्टर कॉलेज हिनौता, कौशाम्बी के अंशु कुमार को उनके उत्कृष्ट खेल के लिए मैन ऑफ द मैच दिया गया स जिन्होंने दो ओवर में पांच रन देखकर तीन विकेट लिए स कृषक इंटर कॉलेज के कृष्ण कमल ने बेहद ही रोमांचक मैच में अंतिम ओवर फेंकते हुए अपनी टीम को चार रन से जीत दिलाई स आज के तीनों मैच के अंपायर रवि और वैभव रहे एवं अजीत चौरसिया द्वारा मैच की स्कोरिंग की गई स इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

टैंकर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

अजुहा, कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के अजुहा कस्बे के वार्ड नंबर 4 पशु चिकित्सालय के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार अनियंत्रित टैंकर ने बाइक सवार वृद्ध को रौंद दिया , हादसे में बाईक सवार वृद्ध की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वृद्ध के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज टैंकर चालक को पकड़कर विधिक कार्यवाही के जुट गई है।

बताया जाता है कि इटावा जनपद के बकेवर थाना क्षेत्र के रम नगर निवासी सौरभ सिंह पुत्र शिव रतन सिंह अपने ताऊ राज बहादुर पुत्र स्व रघुवीर सिंह 65 वर्ष के साथ शुक्रवार को बाइक से प्रतापगढ़ जा रहे थे। बाईक सवार जैसे ही सैनी कोतवाली क्षेत्र के अजुहा कस्बे के नजदीक नेशनल हाईवे के सामने पहुंचे तभी कानपुर की ओर से आ रहे तेज रफ्तार अनियंत्रित टैंकर ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दिया। हादसे में बाइक सवार सड़क पर गिर गये इस दौरान टैंकर चालक वृद्ध राजबहादुर को कुचलते हुए प्रयागराज की तरफ फरार हो गया। हादसा देख मौके पर स्थानीय लोगो की भीड़ जमा हो गई।

सूचना पर पहुंची अजुहा चौकी इंचार्ज जितेंद्र प्रताप सिंह ने वृद्ध के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज कार्रवाई में जुड़ गई। मृतक के भतीजे सौरभ सिंह ने बताया अपने ताऊ के साथ भुपिया मऊ प्रतापगढ़ में कमरा लेकर मोटरसाइकिल से दोनों लोग कपड़े लेकर फेरी करते है। पुलिस ने टैंकर चालक को कस्टडी में लेकर विधिक कार्यवाही में जुट गई है।

स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हिण्डाल्को प्रतिबद्ध

रेणुकूट,सोनभद्र। (आरएनएस) कृषि के पश्चात् मछली पालन ग्रामीण क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण व्यवसायों में से एक है। गांव में यह व्यवसाय न केवल स्वरोजगार को बढ़ावा देता है साथ ही यह स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बहुत लाभप्रद है। यदि मछली पालन सही तकनीक एवं प्रशिक्षण के साथ किया जाए तो यह बहुत लाभदायक व्यवसाय है। गांव में उद्यमिता एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हिण्डालको द्वारा सी.एस.आर. के माध्यम से संस्थान के मुखिया एन.नागेश के नेतृत्व एवं सी.एस.आर. प्रमुख अविजित के मार्गदर्शन में मछली पालन परियोजना का कार्यान्वयन किया गया। इस परियोजना अंतर्गत दुद्धी ब्लाक के कुल 8 गाँव – कटौंधी, कटौली, झारोखुर्द, गुलालझरिया, करमदांड, दिघुल, बघाडु एवं निमियाडीह में किसानों का चयन करने उपरांत कुल 14 तालाबों में मछली पालन की शुरूआत की गई।

मछली पालन परियोजनांतर्गत कार्यक्रम महिला एवं पुरूष किसानों को ग्राम कटौंधी में आयोजित मछली पालन प्रषिक्षण कार्यक्रम में क्षेत्र के मछली पालन विशेषज्ञ धर्मेन्द्र के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण के पश्चात् संभावित मछली पालकों के तालाबों को सर्वेक्षण किया गया ताकि उचित प्रजाति की मछलियों का पालन उक्त तालाब में हो सके। परियोजना अंतर्गत चयनित लाभार्थीयों को 4 से 5 लोगों का समुह बनाने के लिए प्रेरित किया गया ताकि समूह में मछली पालन का व्यवसाय किया जा सके जिससे परियोजनांतर्गत 14 समुह में लगभग 60 परिवार लाभान्वित हो सकेंगे। इसके पश्चात् ग्राम कटौंधी में हिण्डाल्को ग्रामीण विकास विभाग द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें चयनित सभी लाभार्थियों को तालाब के आकार के अनुसार मछली बीज प्रदान किया गया। व्यवसाय के प्रति मछली पालकों की जिम्मेदारी सुनिष्चित करने हेतु लाभार्थीयों द्वारा 25 प्रतिशत अंशदान मछली बीज हेतु दिया गया।

पूर्व उप मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत

सुलतानपुर (आरएनएस)। प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्य सभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा 'तुलसी पीठाधीश्वर जगतगुरु रामानंदाचार्य पद्मविभूषित परमपूज्य श्री राम भद्राचार्य जी की' कथा में शामिल होने के लिए पट्टी प्रतापगढ़ जा रहे का पयागीपुर चौराहे पर आर एस मॉल में भाजपा नेता डॉ डीएस मिश्रा के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व अध्यक्ष डॉ सीताराम त्रिपाठी, पूर्व जिला महामंत्री शशिकांत पाण्डेय, डॉ हरि नारायण उपाध्याय, आकाश जायसवाल नगर अध्यक्ष, धर्मेंद्र द्विवेदी, जिला पंचायत सदस्य अजय कुमार चतुर्वेदी उर्फ नंदन चतुर्वेदी गोविंद तिवारी टांडा पूजा कसौधन वीरेंद्र भार्गव रामविलास सिंह मंडल अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव, डॉ शांतनु मिश्र डॉ शाश्वत मिश्र, रामचरित्र पांडे दिलीप मिश्रा विनोद मिश्रा गिरीश मिश्रा आनंद मिश्रा अखिलेश मिश्रा सौरभ पाण्डेय, पीके सिंह ,सुयश नारायण उपाध्याय, आसिफ अहमद,इरफान, नदीम, जय प्रकाश शुक्ला, पंडित गौरव शर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

श्याम का रंग सबसे पक्का: देवी चित्रलेखा

सुल्तानपुर (आरएनएस)। सनातन धर्म बड़ा विराट है त्रेता युग मे प्रभू श्री राम व रावण की शत्रुता के बावजूद सत्य के अलग मायने थे रावण पर विजय पाने को श्री राम ने महादेव की आराधना के लिए राक्षस रावण को ही पुरोहित बना लिया रावण भी यह जानते हुए की इन्ही से युद्ध करना है उसके बावजूद श्री राम का अनुष्ठांन संपन्न करवाया वही द्वापर मे इस सत्य के मायने बदलने लगे देवी चित्रलेखा देश विदेश मे सनातन का प्रसार कर रही है।धर्म ध्वजा धारण करने का कार्य संपन्न कर रही उक्त बाते प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम राज्य सभा सांसद डॉ दिनेश शर्मा अलीगंज के पूरे लेदई गांव मे भाजपा नेता पंडित राम चंद्र मिश्र के आवास पर आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन कही। यहाँ डॉ श्री शर्मा ने व्यास पीठ को नमन करते हुए देवी चित्रलेखा से आशीर्वाद प्राप्त किया।कथा स्थल पहुँचने पर पण्डित रामचंद्र प्रदीप शुक्ल शुभम मिश्र समेत सैकड़ो लोगो ने भव्य स्वागत किया। यहाँ देवी जी ने मीरा के प्रेम राधा रानी का महत्व गिरिराज भगवान को छप्पन भोग का अर्पण देवराज इंद्र के अहंकार का मर्दन की कथा का प्रवाह किया महारास के लिए कन्हैया अपनी बासुरी से गोपियों को रिझाने लगे अब बासुरी की धुन सुनते ही जो जिस हाल मे थी

उसी हाल मे गोपियाँ रास मे शामिल होने चल पड़ी।वही एक अन्य प्रसंग मे अक्रूर द्वारा कंस के बुलावे पर मथुरा पहुँचने कंस द्वारा कन्हैया को मारने के यतन किये हाथी को शराब पिला कर कान्हा के सामने छोड दिया। देवी ने यहाँ कंस वध व रुकमिनी के विवाह का प्रसंग लिया तो पंडाल झूम उठा। यहाँ राम मूरत मिश्र राम धीरज मिश्र राम अवध मिश्र राम अचल मिश्र चिरंजीवी मिश्र मोंटी श्री नारायण पांडेय हरीश त्रिपाठी शेखर पांडेय प्रदीप सिंह सुभाष त्रिपाठी रविंद्र तिवारी शुभम मिश्र अमित मिश्र रजनीश मिश्र जितेंद्र श्रीवास्तव विजय पांडेय नीरज उपाध्याय आलोक तिवारी डॉ अवधेश त्रिपाठी जिला संघ चालक राजेश अग्रहरि संदीप सिंह ठाकुर प्रसाद सिंह महेंद्र शर्मा वैशाली चोपड़ा निलिमा गुप्ता पवनेश मिश्र आदि ने व्यास पीठ की आरती उतारी।

अमृत कलश टाइम्स
हिन्दी दैनिक

प्रयागराज

प्रयागराज, सोमवार 28 अक्टूबर 2024

ट्रिपल आईटी में इफर्वेसेस के समापन पर गायकों ने बिखेरा जलवा

प्रयागराज। भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (ट्रिपल आईटी) में चल रहे इफर्वेसेंस के अंतिम दिन रविवार को सनम पुरी ने झलवा में अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। गोल्डन क्लासिकल से लेकर पंजाबी, मॉडर्न हिट और उनके मूल गीतों तक, बैंड ने खचाखच भरे दर्शकों के सामने बेहतरीन गाने गाए। सनम पुरी संगीत बैंड सनम के मुख्य गायक हैं। इन्होंने अपने बैंड में अक्सर पुराने गाने इस तरह गाए हैं कि वह गाने सबको पसंद आए। मेरे महबूब कयामत होगी, ओ मेरे दिल के चौन, भीगी भीगी रातों में जैसे गाने इनके द्वारा फिर से बनाए हुए गाने हैं। इन्होंने कई हिंदी फिल्मों में भी गाने गाए हैं जिनमें स्टूडेंट ऑफ द इयर (2019), हंसी तो फँसी (2014) एवं गोरी तेरे प्यार में (2013) शामिल हैं। गायक–संगीतकार सनम पुरी, गिटारवादक–संगीतकार समर पुरी, बास गिटार वादक वेंकट सुब्रमण्यम और ड्रमर केशव धनराज से मिलकर बने बैंड ने दो घंटे से अधिक समय तक प्रदर्शन किया और दर्शकों ने बिना रुके उनके साथ गाया, झूमे, नाचे और तालियां बजाईं। रोशनी, पटाखे और प्रॉप्स ने बैंड को चमकने के लिए एक आदर्श माहौल प्रदान किया। उनके चार्टबस्टर नंबर गुलाबी आंखें, लिखे जो खत तुझे, मेरे महबूब, ओ मेरे दिल के चौनय एक लड़की को देखा और कई अन्य गानों में दर्शक उनके साथ हर लाइन को गाते नजर आए। सनम एक भारतीय पॉप रॉक बैंड है जो 2010 में बना है और वर्तमान में मुम्बई, भारत में स्थित है, जो पुराने क्लासिक भारतीय बॉलीवुड गीतों के साथ–साथ अपने मूल संगीत के लिए जाना जाता है। बैंड सनम में चार साथी सनम पुरी (मुख्य गायक), समर पुरी (मुख्य गिटार), वेंकी एस या वेंकट सुब्रमण्यम (बास गिटार) और केशव धनराज (ड्रमर) शामिल रहे। संस्थान के पीआरओ डॉ. पंकज मिश्र ने बताया कि इस बीच उत्सव के अंतिम दिन क्रिकेट, आर्म रेसलिंग, स्ट्रेंथ प्रतियोगिता, बॉस्केटबॉल कोर्ट, स्ट्रीट प्ले और ओपन माइक सहित कई अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए।

बच्चों में नैतिक मूल्यों को विकसित किया जाएः प्रो सत्यकाम

प्रयागराज। गुरूकुल माण्टेसरी स्कूल शांतिपुरम के जूनियर विंग के 14वें वार्षिक समारोह 'उत्सव 2024' का शुभारम्भ करते हुए उप्र राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सत्यकाम ने शनिवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा प्रदर्शित नैतिक मूल्यों, आदर्शों तथा समसामयिक विषयों की सराहना की। उन्होंने उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम और सह पाठ्यक्रमी उपलब्धियों के लिए विद्यालय परिवार को बधाई दी और बच्चों के बीच नैतिक मूल्यों को विकसित करने में माता–पिता और शिक्षकों की भूमिका को निर्दिष्ट किया। विद्यालय के चेयरमैन पूर्व आईपीएस कृपा शंकर सिंह, श्रीमती प्रमिला सिंह, निदेशक वीरेन्द्र सिंह, सहनिदेशक ऋतिज विक्रम सिंह तथा प्रधानाचार्या श्रीमती अमिता मिश्रा ने स्वागत एवं अभिनंदन किया। विद्यालय के क्वायर ग्रुप ने सरस्वती एवं गणेश वन्दना तथा स्वागत गीत की बहुत ही मनोहारी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के चेयरमैन पूर्व आईपीएस कृपा शंकर सिंह ने किया। इस अवसर पर रंग बिरंगे परिधानों में सजे नन्हे नन्हे बच्चों ने अपनी मोहक प्रस्तुति से लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम, जिसमें गॉड्स क्रिएशन, फन एट स्कूल, भारत हमारी धरोहर, स्कूल गीत, महिषासुर मर्दिनी, कबूतर से ट्वीटर तक का सफर, कृष्ण जन्मोत्सव, एरोबिक्स, प्रभु राम चन्द्र अवतरण इत्यादि नृत्य और नाट्यमंचन के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। संस्थापिका प्रधानाचार्या श्रीमती अलका अग्रवाल ने विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें शैक्षणिक एवं सहपाठ्यचर्चा गतिविधियों में विद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। शैक्षणिक एवं सहपाठ्यक्रमी गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। समापन पर प्रधानाचार्या ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

रेलवे बोर्ड अध्यक्ष ने महाकुम्भ के तैयारियों की समीक्षा के लिए स्टेशनों का किया निरीक्षण

प्रयागराज। रेलवे बोर्ड अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार ने महाकुम्भ के तैयारियों की समीक्षा के लिए प्रयागराज जंक्शन, फाफामऊ जंक्शन, प्रयाग जंक्शन, झूंसी, रामबाग, नैनी, छिवकी एवं सूबेदारगंज स्टेशनों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस दौरान सभी स्टेशनों पर यात्रियों के लिए सुरक्षा और सुविधाओं का इंतजाम, वैकल्पिक योजनाओं एवं निर्माणाधीन कार्यों का जायजा भी लिया और आवश्यक निदेश भी दिये। अध्यक्ष ने आगामी कुम्भ मेला के तहत कराए जाने वाले सभी कार्यों की प्रगति का गहनता से अवलोकन किया। उन्होंने कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्धारित समय में उच्च गुणवत्ता के साथ सम्पन्न करने हेतु अपने सुझाव एवं आवश्यक निर्देश दिये। इसके बाद अध्यक्ष ने झूँसी एवं रामबाग स्टेशनों का निरीक्षण किया तथा कुम्भ मेले की तैयारियों के परिप्रेक्ष्य में स्टेशनों पर चल रहे यात्री सुविधा विस्तार कार्यों की समीक्षा की और संतोष व्यक्त किया। चेयरमैन ने झूंसी–रामबाग के मध्य गंगा नदी पर दोहरीकरण के अंतर्गत बन रहे महत्वपूर्ण रेल ब्रिज सं 111 पर मोटर ट्राली से निरीक्षण कर वरिष्ठ अधिकारियों एवं रेल विकास निगम लिमिटेड के इंजीनियरों के साथ प्रगति की समीक्षा की। इस महत्वपूर्ण पुल में 76.2 मीटर स्पान के 24 गर्डर हैं तथा इसकी लम्बाई लगभग 2 किमी है। कार्य अंतिम चरण में है। झूँसी–प्रयागराज रेल खंड में 96 प्रतिशत फार्मेशन वर्क पूरा हो गया है। उन्होंने झूंसी स्टेशन पर निर्माणाधीन सेकण्ड एन्ट्री के सर्कुलेटिंग एरिया में बन रहे यात्री प्रतीक्षालय, बाउन्ड्री वाल, हाई मास्ट लाइट, अस्थाई शौचालय आदि का निरीक्षण किया। पत्रकारों से वार्ता करते हुए रेलवे बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि प्रयागराज परिक्षेत्र के सभी स्टेशनों का निरीक्षण किया। इस दौरान रोड ओवर ब्रिज, रोड अंडर ब्रिज, लेवल क्रॉसिंग गेट, स्टेशन आदि को देखा और सभी जगह कार्य बड़ी गति से चल रहे है। कई कार्य पूरा कर लिया है और अन्य विभिन्न कार्य भी कुम्भ मेला से पहले पूरे कर लिए जाएंगे। कुम्भ मेला के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को पिछले कुम्भ की बजाय इस बार नई स्टेशन बिल्डिंग, प्लेटफॉर्म, यात्री सुविधाए रोड ओवर ब्रिज, रोड अंडर ब्रिज आदि।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं0 : 10820242025 दिनांक : 24.10.2024

ई-टेण्डेरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मण्डल रेल प्रबन्धक/कार्य/प्रयागराज निम्न लिखित कार्य हेतु ऑनलाइन (ई-टेण्डेरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते हैं।

ई निविदा सूचना सं0 : 1082024205-234 GEM/2024/B/5543786 Dated-24.10.2024	
कार्य का नाम : कुंभ मेला-2025 के दौरान 05 महीने के लिए सिटी साइड प्रयागराज में जी+5 बिल्डिंग में नए अधिकारी विश्राम गृह (03 मंजिल) की हाउसकीपिंग और संचालन।	
अनुमानित लागत (रू में) : Rs. 66,50,569.00	अमानत राशि (रू में) : Rs. 1,33,010.00
निविदा बंद होने की तिथि : 14.11.2024 को 20:30 बजे	
कार्य समापन की अवधि : 05 माह	कार्य की प्रकृति : गृह व्यवस्था या सफाई का कोई भी कार्य।
नोट : (1) पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए वेबसाइट www.Gem.gov.in पर देखें।	

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं0 (01 नवम्बर 2024 से प्रभावी) 1800 4199 139

1870/24 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

दिव्य, भव्य होगा प्रयागराज का महाकुंभ

महामंडलेश्वर स्वामी हिमांगी सखी मां पहुंची प्रयागराज, भव्य स्वागत

महाकुंभ में लगेगा शिविर, कई देशों से बड़ी संख्या में आएंगे विदेशी शिष्यः हिमांगी सखी मां

प्रयागराज। विश्व की प्रथम पांच भाषाओं में श्रीमद्भागवद् कथा करने वाली और वाराणसी लोकसभा चुनाव की पूर्व प्रत्याशी किन्नर महामंडलेश्वर स्वामी हिमांगी सखी मां मुम्बई से चलकर आज प्रयागराज पहुंची।प्रयागराज के भाजपा के वरिष्ठ नेता डा श्याम प्रकाश द्विवेदी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में शिष्यों ने बमरौली एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत और अभिनन्दन किया। महामंडलेश्वर स्वामी हिमांगी सखी मां ने बताया कि तीर्थराज प्रयागराज में अगले वर्ष लगने वाला महाकुंभ दिव्य, भव्य होगा, देश ही नहीं विदेश से बड़ी संख्या में शिष्य, श्रद्धालु शामिल होंगे और कल्पवास करेंगे। महामंडलेश्वर स्वामी हिमांगी सखी मां ने बताया कि वह तीर्थराज प्रयागराज के विश्व प्रसिद्ध महाकुंभ में अलग – अलग भाषाओं में श्रीमद्भागवत कथा, श्रीराम कथा का प्रवचन और भजन करूंगी। उन्होंने बताया कि शिविर में कथा, प्रवचन, विभिन्न सामाजिक विषयों पर जागरूकता कार्यक्रम, पूजन, हवन और भण्डारा चलेगा जिसमें बड़ी संख्या में देश, विदेश के शिष्य और श्रद्धालु शामिल होकर प्रसाद ग्रहण करेंगे और वह लोग परिवार सहित माहभर शिविर में रहकर दोनों वक्त गंगा स्नान और कल्पवास करेंगे। महामंडलेश्वर स्वामी हिमांगी सखी मां ने बताया कि महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में लगे मेरे शिविर में अमेरिका,जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस, ब्राजील, रूस, नेपाल सहित अन्य देशों से बड़ी संख्या में शिष्य परिवार सहित आ रहे हैं। यह सभी लोग माहभर संगम की रेती पर कल्पवास करते हुए भगवद् भजन करेंगे। उन्होंने बताया कि जब से श्री अयोध्या धाम में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बना है तबसे सनातन धर्म और संस्कृति में नयी चेतना आ गयी है, ऐसे में शिविर में आने वाले देश और विदेश से सभी शिष्य अयोध्या धाम जाकर भगवान श्रीराम का दर्शन, पूजन करेंगे। उन्होंने बताया कि इस दौरान प्रयागराज के आसपास के प्रमुख धार्मिक धार्मिक स्थलों वाराणसी, चित्रकूट, कौशांबी, कुशीनगर, मिर्जापुर सहित अन्य स्थानों पर जाकर वह लोग पूजन, अर्चन करेंगे। महामंडलेश्वर स्वामी हिमांगी सखी मां ने कहा कि जिस तरह से केन्द्र और प्रदेश सरकार, मेला प्रशासन महाकुंभ मेला का प्रचार – प्रसार देश और विदेश में कर रहा है उससे बड़ी संख्या में स्नानार्थी और श्रद्धालु तीर्थराज प्रयागराज में बड़ी संख्या में एकत्र होंगे।

कौशल्यानंद गिरि बनी किन्नर अखाड़ा की महाकुंभ प्रभारी

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज ने तीर्थराज प्रयागराज में जनवरी –2025 में लगने वाले महाकुंभ की तैयारियों के लिए किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष और उप्र किन्नर वेलफेयर बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि (टीना) मां को प्रभारी मनोनीत किया है, जो तीर्थराज प्रयागराज में जनवरी – फरवरी में होने वाले महाकुंभ में अखाड़ा का सभी कार्य संभालेंगी।आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज ने बताया कि महाकुंभ में देश और विदेश के लाखों शिष्य और श्रद्धालु आ रहे हैं जो माहभर शिविर में रहकर कल्पवास, गंगा, संगम स्नान और पूजन करेंगे। उन्होंने कहा कि किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि के नेतृत्व में किन्नर अखाड़ा का विकास और संगठन मजबूत हुआ है। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी महराज ने बताया कि जूना अखाड़ा के साथ किन्नर अखाड़ा का नगर प्रवेश तीन नवंबर को है। इस दौरान किन्नर अखाड़ा के सभी महामंडलेश्वर, मण्डलेश्वर, महंत, पीठाधीश्वर, श्रीमहंत, सहित अन्य सभी पदाधिकारी शामिल होंगे।

जनपद में धान खरीद का लक्ष्य 2,35,000 मीट्रिक टन

प्रयागराज। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में संगम सभागार में धान क्रय केन्द्रों की तैयारियों के सम्बंध में समीक्षा बैठक हुई। जिसमें जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी अविनाश चंद्र सागरवाल ने बताया कि वर्ष 2024–25 में जनपद प्रयागराज का धान खरीद का लक्ष्य 2,35,000 मीट्रिक टन निर्धारित किया गया है। धान खरीद के लिए कुल 6 क्रय एजेसियां तथा 88 क्रय केन्द्र निर्धारित किए गए हैं। धान खरीद की शुरूआत 01 नवम्बर से निर्धारित की गयी है। जिलाधिकारी ने किसानों की सहायता के लिए डिप्टी आरएमओ को कंट्रोल रूम बनाने का निर्देश दिया है। उन्होंने डिप्टी आरएमओ सहित सभी क्रय एजेंसियों के जिला प्रबंधकों एवं केन्द्र प्रभारियों को क्रय केन्द्रों पर किसानों की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थायें 29 अक्टूबर तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया है कि धान क्रय केन्द्रों पर किसानों को अपने धान की बिक्री करने में कोई असुविधा न होने पाये तथा निर्धारित समय के अंदर उनका भुगतान भी सुनिश्चित किया जाये। किसी भी दशा में बिचौलियों का हस्तक्षेप न होने पाये। धान क्रय केन्द्रों पर कृषकों का धान पहले आओ, पहले पाओ के सिद्धांत पर क्रय किया जायेगा। किसानों का धान क्रय केन्द्रों पर इलेक्ट्रानिक प्वाइंट आफ परचेज मशीन (ई–पास) के माध्यम से उनका बायोमैट्रिक प्रमाणित करते हुए धान की खरीद की जाये। उन्होंने जनपद में समस्त राईस मिलों की सत्यापन प्रक्रिया को पूर्ण किये जाने का भी निर्देश दिया है। क्रय केन्द्रों पर इलेक्ट्रानिक कांटा, नमी मापक यंत्र, पॉवर डस्टर सहित अन्य सभी व्यवस्थायें समय से सुनिश्चित कराने के लिए कहा है। इस अवसर पर एडीएम नागरिक आपूर्ति राजेश सिंह, जिला खाद्य एवं विपणन अधिकारी अविनाश चंद्र सागरवाल, समस्त क्रय एजेंसियों के जिला प्रबंधक एवं केन्द्र प्रभारीगण उपस्थित रहे।

महाकुम्भ में रेलवे तैयार कर रहा 25 हजार श्रद्धालुओं के ठहरने का आश्रय स्थल

प्रयागराज जंक्शन, नैनी, छिवकी और सूबेदारगंज स्टेशन पर बने हैं 10 आश्रय स्थल

क्राउड मैनेजमेंट के लिए की जा रही है आश्रय स्थलों की कलर कोड़िग

आश्रय स्थलों में बनेंगे अस्थायी टिकट घर, शौचालय व पूछताछ काउंटर

प्रयागराज। सनातन आस्था के सबसे बड़े आयोजन महाकुम्भ को लेकर प्रयागराज में तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप महाकुम्भ को दिव्य, भव्य और नव्य बनाने की कवायद जोरों पर है। मेला प्राधिकरण इस महाकुम्भ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान व्यक्त कर रहा है। ऐसे में बड़ी संख्या में श्रद्धालु ट्रेनों के जरिये प्रयागराज पहुंच सकते हैं। इस बार लगभग 10 करोड़ लोगों के ट्रेन से पहुचंने का अनुमान है। रेलवे एनसीआर के प्रयागराज मण्डल ने स्टेशनों पर क्राउड मैनेजमेंट को लेकर रोडमैप तैयार कर लिया है। सभी रेलवे स्टेशनों पर लगभग 25,000 यात्रियों के ठहरने के लिए आश्रय स्थलों का निर्माण अंतिम दौर में है। महाकुम्भ के दौरान प्रयागराज में 9 रेलवे स्टेशनों पर श्रद्धालुओं के आवागमन की तैयारियां चल रही हैं। क्राउड मैनेजमेंट को लेकर रेलवे नोडल डिविजन प्रयागराज मण्डल ने रोडमैप तैयार कर लिया है। पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि महाकुम्भ के दौरान प्रति घंटे 50 हजार यात्रियों की दर से उनके गंतव्य स्टेशनों की ओर रवाना करने की योजना बनायी गई है। इसके साथ ही लगभग 25000 श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए 10 आश्रय स्थलों को भी तैयार किया जा रहा है। जिनमें से 4 आश्रय स्थल प्रयागराज जंक्शन पर, 3 नैनी जंक्शन, 2 छिवकी स्टेशन और 1 सूबेदारगंज स्टेशन पर बनाए जा रहे हैं। ये आश्रय स्थल 2019 के कुम्भ में अस्थायी टिकट घर व शौचालय की सुविधाओं के साथ बनाये गये थे। महाकुम्भ में इनका पुनर्निर्माण कर संचालित करने का कार्य चल रहा है। छिवकी स्टेशन पर 1 नया आश्रय स्थल भी बनाया जा रहा है। पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि क्राउड मैनेजमेंट के लिए अलग– अलग गंतव्य स्टेशनों के मुताबिक यात्रियों को अलग–अलग रंग के आश्रय स्थलों में ठहराया जाएगा। इन आश्रय स्थलों में उनके स्टेशनों की ओर जाने वाली गाड़ियों की घोषणा के साथ रेलवे प्रशासन उन्हें सही ट्रेन तक पहुचांने का भी प्रयास करेगा। इसके लिए आश्रय स्थलों की कलर कोडिंग, जाने वाली ट्रेनों की दिशा के मुताबिक की गई है। लखनऊ और बनारस जाने वाले यात्रियों को लाल रंग के आश्रय स्थल, कानपुर के लिए हरे रंग का, जबकि सतना, मानिकपुर, झांसी की ओर जाने वालों को पीले रंग के आश्रय स्थलों में ठहराया जाएगा। अलग–अलग स्टेशनों पर आश्रय स्थलों की कलर कोडिंग थोड़ी अलग–अलग भी है, जिसकी जानकारी स्टेशनों पर लगी रहेगी। इसके साथ ही आरक्षित श्रेणी के यात्रियों के लिए अलग से भी अस्थायी आश्रय स्थल बनाए जा रहे हैं।

कुम्भनगरी के द्वादश माधव मंदिर निखर व संवर रहे हैं

प्रयागराज। संगमनगरी की पहचान उसके धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक स्वरूप से है। योगी सरकार द्वारा कुम्भ 2019 के दिव्य, भव्य और स्वच्छ आयोजन से मिली वैश्विक पहचान ने कुम्भनगरी प्रयागराज में पर्यटन की अपार सम्भावनाओं के द्वार खोल दिए हैं। प्रयागराज में संगम के अतिरिक्त द्वादश माधव और पंचकोशी परिक्रमा के रूप में धार्मिक पर्यटन की पर्याप्त सम्भावनाएं मौजूद हैं। पर्यटन विभाग इन्हें तेजी से विकसित कर रहा है। महाकुम्भ के पूर्व द्वादश माधव का कायाकल्प संगमनगरी पौराणिक मंदिरों का शहर है। इसे तीर्थराज भी कहा जाता है। इन मंदिरों में भी द्वादश माधव कुम्भनगरी की आध्यात्मिक पहचान है। इन द्वादश माधव मंदिरों के कायाकल्प के लिए योगी सरकार का संकल्प धरातल पर उतर रहा है। यूपी राज्य पर्यटन विभाग इन बारह माधव के मंदिरों को पर्यटन के नक्शे में विशेष स्थान देने में लगा हुआ है। अपर कुम्भ मेलाधिकारी विवेक चतुर्वेदी बताते हैं कि महाकुम्भ के पूर्व द्वादश माधव के मंदिरों का पुनरोद्धार किया जा रहा है। कायाकल्प का कार्य समापन के निकट है और अंतिम चरण पर कार्य चल रहा है। इसका तकरीबन 85 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। कुल 12.34 करोड़ की लागत से इन प्राचीन पौराणिक मंदिरों को नव्य स्वरूप दिया जा रहा है। प्राचीन संरचनाओं के संरक्षण के साथ सौंदर्यीकरण महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र कुम्भ क्षेत्र के अलावा प्रयागराज के प्राचीन मंदिर भी हैं। जिनके साथ यहां की पौराणिक मान्यता जुड़ी हुई है। मंदिरों के इस समूह में द्वादश माधव मंदिर समूह सर्वप्रथम है। जिनकी मूल संरचना को संरक्षित रखते हुए उनका पुनरोद्धार हो रहा है। अपर कुम्भ मेला अधिकारी विवेक चतुर्वेदी का कहना है कि इन मंदिरों में थीम पर आधारित प्रवेश द्वार, म्यूरल्स, रेड सैंड स्टोन से बने साइनजेज, सत्संग भवन, बैठने के लिए बेंचेस, फ्लोरिंग, पेयजल की व्यवस्था, टॉयलेट्स बाउंड्री वॉल और ग्रीनरी का विकास किया गया है।

महाकुम्भ में योगी सरकार रखेगी श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य का ख्याल

हाईटेक अस्थाई अस्पतालों में देखभाल के लिए रहेंगे एम्स के डॉक्टर

श्रद्धालुओं के लिए हाईटेक अस्थाई अस्पताल में होगी हर प्रकार की जांच

प्रयागराज। महाकुम्भ में योगी सरकार श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की देखभाल के पुख्ता इंतजाम कर रही है। सरकार की ओर से विभागीय अफसरों को 15 दिसम्बर तक सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। विश्व के सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बाकायदा एक्सरे, एमआरआई, लैब टेस्ट की भी सुविधा रहेगी। स्वास्थ्य विभाग ने 10 लाख ओपीडी और 10 हजार आईपीडी तक की क्षमता की तैयारी पूरी कर ली है। श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य की जांच के लिए हाईटेक अस्थाई अस्पताल बनाए जा रहे हैं, जिसमें रायबरेली एम्स के चिकित्सकों की टीम भी लोगों की देखभाल के लिए मौजूद रहेगी। मालूम हो कि महाकुम्भ के लिए 77.5 करोड़ रुपये से ज्यादा के 43 प्रोजेक्ट पर काम किया जा रहा है। संयुक्त निदेशक (चिकित्सा स्वास्थ्य) प्रयागराज, वीके मिश्र ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुम्भ के दौरान स्वास्थ्य विभाग सभी इंतजाम पुख्ता करने की तैयारियों में जुटा है। किसी भी श्रद्धालु को स्वास्थ्य के लिहाज से कोई समस्या न आने पाए इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के अफसरों की टीम दिन–रात काम में लगी है। इसके तहत 100 बेड का अस्पताल परेड ग्राउंड में तैयार किया जा रहा है। वहीं, श्रद्धालुओं के लिए हर प्रकार की जांच की सुविधा मौजूद रहे, इसकी व्यवस्था बनाई जा रही है। इसके अलावा 10 लाख ओपीडी और 10 हजार आईपीडी की क्षमता का लक्ष्य भी रखा गया है। योगी सरकार ने विभागीय अधिकारियों को निर्धारित समय में इंतजाम पूरा रखने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए, इसके लिए यहां के सभी प्रमुख अस्पतालों को अपग्रेड किया जा रहा।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062